भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1357

06 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सीआईएल अस्पतालों में आयुष चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ

1357. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान पेद्दापल्ली में कोयले की धूल के संपर्क में आने से होने वाली सांस की बीमारियों के इलाज के लिए खास तौर पर प्रशिक्षित और तैनात आयुष चिकित्सकों की संख्या कितनी है;

(ख) पेद्दापल्ली में कोयला खनन कार्यों के निकट समर्पित आयुष उपचार केन्द्रों की स्थापना और न्यूमोकोनियोसिस और खनन से संबंधित अन्य पेशा संबंधी रोगों के उपचार के लिए कौन-कौन से विशिष्ट चिकित्सीय प्रोटोकॉल विकसित किए गए हैं;

(ग) चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से कोयला कामगारों के न्यूमोकोनियोसिस के लिए आयुष उपचारों की प्रभावकारिता के संबंध में किए गए अनुसंधान अध्ययन का ब्यौरा क्या हैं और प्रभावित खनिकों के उपचार में क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(घ) कोयला बेल्ट क्षेत्रों में श्वसन संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए विशेष आयुष दवाओं और उपकरणों की खरीद के लिए कितना बजट आवंटन किया गया है और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्या खरीद प्रक्रिया अपनाई जाती है; और

(ङ) खनन कामगारों और उनके परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य परिचर्या कवरेज प्रदान करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के अस्पतालों में आयुप चिकित्सकों और पेशा संबंधी स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच क्या एकीकरण ढांचा विकसित किया गया है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, पेद्दापल्ली जिले में 08 आयुर्वेद, 05 यूनानी, 06 होम्योपैथी और 01 प्राकृतिक चिकित्सा इकाइयों सहित 20 सरकारी आयुष औषधालय कार्यशील हैं, जिनमें से प्रत्येक सुविधा में संबंधित चिकित्सा पद्धति का एक चिकित्सा अधिकारी (एमओ) है। इन सभी एमओ को मानक उपचार प्रोटोकॉल सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, इन चिकित्सकों ने हाल ही में अक्टूबर, 2025 से दिसंबर, 2025 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, हैदराबाद में मस्कुलोस्केलेटल विकारों, कौशल विकास कार्यक्रमों और कोयले की धूल के संपर्क के कारण होने वाली सांस की बीमारियों के इलाज के लिए प्रशिक्षण लिया है।

(ग): ऐसा कोई विशिष्ट अनुसंधान अध्ययन नहीं किया गया।

(घ): राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, प्रत्येक औषधालय में आवश्यक दवाओं के लिए आयुर्वेद/यूनानी औषधालयों को 2.00 लाख रुपए प्रति वर्ष की दर से और होम्योपैथिक औषधालयों को 1.00 लाख रुपए प्रति वर्ष

प्रदान किए जा रहे हैं। आवश्यक दवाओं की खरीद ई-निविदाओं के माध्यम से की जा रही है और ई-औषधि पोर्टल का उपयोग करके केंद्रीय भंडार यानी सरकारी भारतीय दवा फार्मेसियों के माध्यम से औषधालयों को आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा, पेद्दापल्ली जिले सहित तेलंगाना में चयनित (100) आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) को पंचकर्म उपकरण, यानी मालिश टेबल, शिरोधारा और वाष्प स्नान कक्ष की आपूर्ति की गई है।

(ङ): जैसा कि राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है, वर्तमान में पेद्दापल्ली जिले में पीएचसी/सीएचसी के साथ विधिवत सह-संस्थापित 09 आयुष इकाइयां (आयुर्वेद-5, यूनानी-1, प्राकृतिक चिकित्सा-1, होम्योपैथी-2) कार्यशील हैं, जो मुख्य रूप से कोयला बेल्ट क्षेत्र में स्थित हैं। हालांकि, कोल इंडिया लिमिटेड के अस्पतालों में विशेष रूप से आयुष चिकित्सकों और व्यावसायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच एकीकरण ढांचे को विकसित नहीं किया गया है।

*****